दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ & Fax : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांकः 09.04.2024

प्रकाशनार्थ

डॉ. पवन कुमार पाण्डेय एवं उनकी टीम ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित एजुकेशनल टूल पर कराया इंडियन पेटेंट पब्लिश

दिनांक 09.03.2024 गोरखपुर। दिग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज गोरखपुर के शिक्षक डॉ. पवन कुमार पाण्डेय, कंप्यूटर विज्ञान विभाग एवं उनकी टीम ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर आधारित विषय 'एन.एल.पी और डीप लर्निंग का उपयोग करते हुए उन्नत भाषा सीखने के मंच को बढ़ावा देने के लिए ऑटिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित डिजिटल शैक्षिक उपकरण' पर एक भारतीय पेटेंट पब्लिश किया है।

इस कार्य में उनके मुख्य सहयोगी के रूप में डॉ मनमोहन शुक्ला, एडिशनल डायरेक्टर, प्राणवीर सिंह इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, कानपुर, डॉ विशाल नागर, डीन, कंप्यूटर विज्ञान, प्राणवीर सिंह इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, डॉ हरीश सैनी, सीनियर ट्रेनर, कोडिंग, मोहाली पंजाब, डॉ ललित कुमार, सहायक आचार्य, कंप्यूटर विज्ञान विभाग चंडीगढ यूनिवर्सिटी एवं श्री हरिशंकर गुप्ता, विभागाध्यक्ष, बीसीए विभाग, दिग्विजयनाथ पी.जी कॉलेज गोरखपुर रहे।

डॉ पवन ने बताया की इस पेटेंट के माध्यम से हमने यह बताने का प्रयास किया है की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस द्वारा संचालित व्यक्तिगत शिक्षा एक ऐसी रणनीति है जो छात्र केंद्रित है और शिक्षा में छात्रों के उत्साह की समस्या को हल करती है। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस सीखने के परिणाम को अधिकतम करने के लिए अनुकूल सामग्री, इंटरैक्टिव अनुभव, और डेटा विश्लेषण भी प्रदान करती है। यह प्रत्येक व्यक्ति के विशेष आवश्यकताओं, रुचियों, और गति के अनुसार सीखने के अनुभव को अनुकूलित करके प्राप्त किया जाता है। ये कठिनाई विशेष रूप से अधिकृत शिक्षा द्वारा हल किए जाने का उद्देश्य है, जो ए.आई. द्वारा विद्यार्थियों की विशेष आवश्यकताओं के अनुकूल सीखने का अनुभव प्रदान करके उन्हें आकर्षक और उपयुक्त बनाती हैं, जो उनकी रुचियों को पकड़ती हैं, व्यक्तिगत ध्यान प्रदान करती हैं, सीखने को संबंधित बनाती हैं, और लचीलापन संभव बनाती हैं।

डॉ पाण्डेय ने बताया की इस पेटेंट के माध्यम से हमने एक ऐसे यंत्र की अवधारणा दी है जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस पर आधारित सीखने के प्रबंधन प्रणाली, जिसे अक्सर एल.एम.एस के रूप में जाना जाता है, एक डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म जो शिक्षा सामग्री और व्यक्तिगत सीखने के अनुभव का प्रबंधन और वितरण को अधिकतम करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से संबंधित प्रौद्योगिकी को सम्मिलित करता है। अगर आप आज जी की दुनिया से जुड़े हैं, तो आपने संभावित ही देखा होगा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने पूरी दुनिया को अपने जादू में ले लिया है। हमारे जीवन का कोई भी पहलु ऐसा नहीं है

दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273009
(नैक प्रत्यायित 'B' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ & Fax : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : digvijayans@gmail.com
: dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

जिस पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रभाव न पड़ा हो; हम अपने घरों को चलाने के लिए अलेक्सा का उपयोग करते हैं, हमारे पूछताछ का उत्तर देने के लिए सिरी का उपयोग करते हैं, हमारे कॉलों का उत्तर देने के लिए गूगल असिस्टेंट का उपयोग करते हैं, और हमें वह अल्गोरिदम बताता है और अगला टेलीविजन शो देखने के लिए भी सुझाव देता है। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस द्वारा संचालित सीखने के प्रबंधन प्रणाली को इस पेटेंट के माध्यम से जांचा जाएगा की कैसे शिक्षक से लेकर विद्यार्थी तक अपने सीखने के अनुभव को कैसे सुधार सकते हैं, शिक्षा को कैसे व्यक्तिगत बना सकते हैं, और प्रत्येक शिक्षार्थी की पूरी क्षमता को कैसे खोल सकते हैं।

इस अवसर पर प्रो परीक्षित सिंह, कोऑर्डिनेटर, आई.क्यू.ए.सी., ने पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा की ये पल संस्था के लिए गौरव का पल है, एक बार पुनः महाविद्यालय के कंप्यूटर विज्ञान के शिक्षकों ने अन्य उत्कृष्ट संस्थानों प्रणवीर सिंह इंस्ट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, कानपुर ,चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी, कोड क्वोटेंट प्राइवेट लिमिटेड, पंजाब के शिक्षकों के साथ मिलकर ये उपलब्धि हासिल की है।

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो ओमप्रकाश सिंह ने पूरी टीम को शुभकामनाएं देते हुए कहा की महाविद्यालय सहित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के लिए ये ऐतिहासिक पल है। आज आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का क्षेत्र सबसे चर्चा में है और इस क्षेत्र में पेटेंट पब्लिश कर हमारे शिक्षकों ने हमें गौरवान्वित किया है।

उक्त जानकारी महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ शैलेश कुमार सिंह ने दी।

डॉ.(शैलेश कुमार सिंह)
प्रभारी, सूचना एवं जनसम्पर्क